24-अक्टबर-2024 से 30-अक्टबर-2024

जिंसों का घूमता आइना-धान/चावल

(24-अक्टूबर-2024 से 30-अक्टूबर-2024)

पंजाब में धान की खरीद की सुस्त गति से किसानों में भारी आक्रोश

राइस मिलर्स की शिकायतों के निपटारे के लिए मोबाइल एप की लांचिंग

भारत, पाकिस्तान एवं म्यांमार में नए माल की आवक होने से चावल के दाम में गिरावट

कंटेनरों में चावल के निर्यात मूल्य में गिरावट

पंजाब के गोदामों से 40 लाख टन चावल की निकासी का प्रयास

बासमती एवं सामान्य चावल के निर्यात में भारी उतार-चढ़ाव

साप्ताहिक समीक्षा-धान/चावल

नई दिल्ली। हालांकि पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुख्य मंडियों में खरीफकालीन धान की अच्छी आपूर्ति हो रही है लेकिन फिर भी राईस मिलर्स एवं निर्यातको की मांग मजबूत रहने से कुछ मंडियों में इसका भाव 31 अक्टूबर से 6 नवंबर वाले सप्ताह के दौरान 200-300 रूपए प्रति क्विंटल बढ़ गया। सरकार बासमती चावल के लिए नियत 950 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (मेप) को पहले ही समाप्त कर चुकी है मगर ईरान-इजरायल युद्ध के कारण मध्य एशिया में इसका निर्यात आंशिक रूप से प्रभावित होने की आशंका है।

समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान दिल्ली की नरेला मंडी में 1509 हैल धान का भाव 85 रूपए सुधरकर 3185 रूपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा जबकि मंडी में करीब 60 हजार बोरी धान की औसत दैनिक आवक हुई। अधिकांश मंडियों में तीन दिनों का अवकाश रहा और 4 नवंबर से कारोबार आरम्भ हो सका। पंजाब की अमृतसर मंडी में धान के दाम में 50-55 रूपए की तेजी रही जबकि उत्तर प्रदेश के एटा में ताज धान का भाव 200 रूपए बढ़कर 2200 रूपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा। अमृतसर में 15-20 हजार कोठी , तरन-तारन में 60 हजार बोरी, एटा में 30 हजार बोरी, मैनपुरी में 20-30 हजार बोरी तथा जहांगीराबाद में 30-40 हजार बोरी धान की दैनिक आवक दर्ज की गई। गोरखपुर, अलीगढ तथा खैर सहित अन्य मंडियों में भी धान की भारी आवक हो रही है।

जहां तक चावल का सवाल है तो आमतौर पर इसकी कीमतों में काफी उतर-चढ़ाव दर्ज किया गया। भाटवाड़ा में विष्णुभोग चावल 100 रूपए तेज होकर 7000 रूपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा मगर कर्नाटक के रायचूर में चावल के दाम में 100-200 रूपए प्रति क्विंटल की दृष्टि दर्ज की गई। इसके तहत 1718 सेला चावल का भाव 750 रूपए घटकर 6600/6650 रूपए प्रति क्विंटल तथा 1718 स्टीम चावल का दाम 950 रूपए लुढ़ककर 6400/6450 रूपए प्रति क्विंटल पर अटक गया। राजस्थान के बूंदी में सुगंधा चावल का मूल्य 300 रूपए तेज रहा जबकि 1509 का भाव 200 रूपए नीचे आया। दिल्ली के नया बाजार में 1509 स्टीम, सुगंधा सेला तथा सुगंधा स्टीम के दाम में 200-200 रूपए प्रति क्विंटल की वृद्धि दर्ज की गई है।

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

RICE (PRICE IN RS. /QTL- ARRIVAL IN QTL)

CITY	VARIETY	MIN/MAX
BHATAPARA	HMT NEW	5800/5900
	SHRI RAM NEW	6300
	VISHNU BHOG NEW	6800/7000
	VISHNU BHOG OLD	
	SWARNA	3300/3400
RAICHUR	RAW DOUBLE OLD RNR DEC 2022	6100/6250
	RAW SUM RNR SUM 2023	6000
	STEAM RNR BROKEN-	3250/3350
	RAW SONA KAVERI MAR 2022CROP	5150/5300
	RAW SECOND SONA DEC 2022	5000/5200
	RAW PURE DEC 2022 SONA	5450/6000
	STEAM NEW SONA DEC 2023	5300/5350
	STEAM RNR SUM 2024	5500
	STEAM SONA SUM 2024	5000/5200
	STEAM SONA NEW BROKEN	3000/3050
	STEAM JSR SUM 2023	
	STEAM JSR- 2024	6500
	SREAM KAVERI JSR 2024	
	STEAM HMT 2024	6000
	RAW OLD JSR DEC 2022	7200
	RAW OLD HMT 2022	6600/7100
	SIRGUPPA	
	STEAM RNR NEW WHITE	4800/5000
	STEAM RNR NEW COLOUR	4800/4850
NIZAMABAD	BPT STEEM	4400/4500
	BPT RAW NEW	4400/5100
	STEEM KOLAM SORTEX	6000/6300
	SHRIRAM KOLAM NEW	
	SHRIRAM KOLAM OLD	6900/7100
	HMT RAW NEW	5100
	HMT RAW OLD	6400/6800
	IR-64 PARMAL TYPE	
	SONA STEEM	
	HMT STEEM G.K	
	BOILD BPT	
	KANKI	2900/3000
GONDIA	BOILED IR	3200/3250
	BOILED RPN	3350/3500
	BOILED HMT	3900/4000
	RAW RPN	3700/3750
	RAW IR	3300/3350
	RAW HMT	3900/4450
	RAW JAI SHRI RAM	4100/4750
	KINKI NON SORTEX	
	KINKI SORTEX	
	RAW BROKEN	2650/2850

CITY	VARIETY	MIN/MAX
BUNDI	1121	7750/7850
	SUGNDHA	4500/4850
	1509	5600/5850
	1718 SELA	7100/7200
KARNAL	1121 SELA	
	1121 STEAM	
	1509 SELA	5400/5500
	1509 STEAM	6300/6400
	1401 SELA	
	1401 STEAM	
	PR14 SELA	
	PR14 STEAM	
	1718 SELA	
	1718 STEAM	6500/6800
	SUGANDH SELA	
	SARBATI SELA	4800/4900
	TAJ SELA	
	RS10 SELA	
	PARMAL RAW	
	PR26 SILKI RAW	
KANPUR	PARMAL	
	1121 SELA	
	1121 STEEM	
	1509 SELA	
	1509 STEEM	
	1401 STEAM	
	TAJ SELA	
MADHUPUR	SWARNA SORTEX(MANSURI BOILD)	
	PARMAL (BOILD)	
DELHI	1121 STEEM	8000/8300
	1121 SELA	7200/7400
	1509 SELA	5500/6000
	1509 STEEM	5700/6500
	1401-SEELA	6200/6500
	1401- STEEM	6400/6800
	SHARBATI STEEM	4800/5200
	SHARBATI SELA	4200/4400
	SUGANDHA SELA	4500/4900
	SUGANDHA STEEM	5300/5600
	1718 SELA	6300/6600
	1718 STEEM	7000/7500
	TAJ SELA	4500/4600
	PR-14 STEEM	4000/4200

THAILAND RICE QUOTES
(PRICE IN $/TONS)

ITEM	30.10.2024	16.10.2024	CHANGE
WHITE RICE QUOTES			
THAI HOM MALI RICE - PREMIUM (2022/23)	1140	1157	-17
THAI HOM MALI RICE - PREMIUM (2023/24)	1140	1157	-17
THAI HOM MALI BROKEN RICE A.1 SUPER	527	581	-54
THAIL JASMINE RICE (THAI FRAGRANT RICE)	820	910	-90
WHITE RICE 100% GRADE B	522	545	-23
WHITE RICE 5%	507	529	-22
WHITE RICE 25%	491	508	-17
WHITE BROKEN RICE A.1 SUPER	437	435	2
WHITE GLUTINOUS RICE 10% (MAJOR CROP)	823	957	-134
PARBOILED RICE QUOTES			
PORBOILED RICE 100% PREMIUM QUALITY	522	561	-39
PORBOILED RICE 100%	516	558	-42

DHAN (PRICE IN RS. /QTL- ARRIVAL IN QTL)

CITY	VARIETY	MIN/MAX
NARELA	1121	4275
	1509 HAND	3100/3185
	COMBINE	2850
	1718	3800
	SUGANDHA	
	BASMATI	
	TAJ	
	DP	
	1847	2750
	R-10	2350
	SHARBATI	2400
	ARRIVAL	155000
BHATAPARA	HMT NEW	2900
	SHRIRAM NEW	3300/3400
	VISHNU BHOG NEW	3600/3700
	ARRIVAL	1600
AMRITSAR	1121	3500/3999
	1847	2400/2800
	1509	2500/3005
	1718	2500/3350
	SHARBATI	
	PARMAL	
	ARRIVAL	49000
MAINPURI	1121	
	1718	2850/3000
	1509NO.	2600
	TAJ	2100
	SHARBATI	
	SUGANDHA	2100
	ARRIVAL	50000
JAHANGIRABAD	1121 NO	3300/3600
	1718	3300/3600
	1509 NO	2900
	SHARBATI	2400/2450
	TAJ	2350
	SUGANDHA	2225/2550
	ARRIVAL	70000
TARAORI	1121	4200/4250
	PARMAL	2200/2320
	SHARBATI	2350/2450
	BASMATI	3700
	SUGANDHA	2500
	DP LOC	3400/3500
	1509	2800/3000
	ARRIVAL	88000

CITY	VARIETY	MIN/MAX
JABALPUR	1121	
	SUGANDHA	
	1509	
	1718	
	KRANTI	
	IR	
	ARRIVAL	
RAJIM	IR	
	SWARNA	
	MAHAMAYA	
	BPT	
	ARRIVAL	
BUNDI	1121	
	1509	2700/2850
	SUGANDHA	2350/2550
	1718	3000/3450
	1847	2600/2800
	PUSA BASMATI	
	ARRIVAL	172500
GORAKHPUR	HYBRID	
	SONA MANSURI	
	ARRIVAL	
SHAHJAHANPUR	1121	3200/3500
	PR13	1800/1950
	PR26	1900/2000
	SHARBATI	2200/2500
	1509NO.	
	HYBRID	
	ARRIVAL	100000
GONDIA	IR	2250/2300
	SWARNA	2200/2250
	HMT	2800/2850
	JAI SHRI RAM	2900/2950
	RPN	2350/2400
	ARRIVAL	50000
KOTA	1121	
	SUGANDHA	2200/2400
	PUSA BASMATI	2600/2800
	1509	2200/2900
	1718	3000/3500
	ARRIVAL	113550
DABRA	1121	
	SUGANDHA	
	1718	3000/3300
	1509	2800/2820
	1847	2500/2700
	KRANTI	
	ARRIVAL	140000

पंजाब में धान की खरीद की सुस्त गति से किसानों में भारी आक्रोश

जालंधर। एक तरफ चालू वर्ष के दौरान पंजाब में धान का शानदार उत्पादन होने के संकेत मिल रहे हैं तो दूसरी ओर इसकी सरकारी खरीद की गति बहुत धीमी है जिससे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर अपना उत्पाद बेचने में भारी कठिनाई हो रही है। मंडियों में धान रखने की जगह नहीं है क्योंकि सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदे गए धान के स्टॉक का उठाव बहुत धीमी रफ्तार से हो रहा है। यद्यपि केन्द्रीय खाद्य मंत्री बार-बार आश्वासन दे रहे हैं कि पंजाब में किसानों से धान का प्रत्येक दाना खरीदा जाएगा लेकिन यह ध्यान रखना अवश्यक है कि राज्य में रबी कालीन फसलों और खासकर गेहूं की अगैती बिजाई होती है और इसलिए किसान जल्दी से जल्दी अपना धान बेचना चाहते हैं। कुछ किसान संगठनों ने आरोप लगाया है कि केन्द्र सरकार जान बूझकर धान खरीदने की रफ्तार को धीमा रख रही है क्योंकि केन्द्रीय पूल में पहले से ही चावल का विशाल स्टॉक मौजूद है और अन्य उत्पादक राज्यों में भी धान की खरीद होनी है। पिछले कुछ सप्ताहों से पंजाब के किसान बेहद चिंतित परेशान और क्रोधित हैं क्योंकि उन्हें अपना उत्पाद बेचने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ रहा है। पंजाब में करीब 60 जगहों पर किसानों का धरना-प्रदर्शन जारी है। इसमें हजारों किसान भाग ले रहे हैं। पटियाला जिले में 8-10 दिन पूर्व काटे गए धान की बिक्री अभी तक संभव नहीं हो पाई है जबकि उसे क्रय केन्द्रों पर लाया जा चुका है। सरकारी एजेंसियां अब नमी का ऊंचा अंश बताकर धान खरीदने से इंकार कर रही हैं जबकि भंडारण स्थलों की कमी का भी बहाना किया जा रहा है। कई जगह तो यह चर्चा भी हो रही है कि धान की खरीद नहीं की जाएगी। किसानों ने 25 अक्टूबर को पटियाला-संगरूर रोड को जाम कर दिया था। अधिकारियों ने धान खरीदने का आश्वासन देकर मामला तो शांत करवाया लेकिन खरीद की प्रक्रिया अभी तक आरंभ नहीं हो सकी है। राज्य में धान की खरीद का सीजन 1 अक्टूबर से ही शुरू हो गया था मगर आरंभ से ही इसकी गति धीमी रही। पंजाब में इस बार 185 लाख टन धान (124 लाख टन चावल) की खरीद का लक्ष्य रखा गया है मगर यह हासिल होना मुश्किल लग रहा है।

राइस मिलर्स की शिकायतों के निपटारे के लिए मोबाइल एप की लांचिंग

नई दिल्ली। केन्द्रीय खाद्य मंत्री द्वारा राइस मिलर्स के लिए एफसीआई ग्रिवांस रिड्रेसक सिस्टम (जीआरएस) का एक मोबाइल अप्लीकेशन लांच किया गया है जिसके तहत चावल मिल मालिकों की शिकायतों एवं समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। सम्बद्ध पक्षों के बीच पारदर्शिता, जिम्मेवारी एवं संतुष्टि बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों में यह एप भी शामिल हो गया है। ज्ञात हो कि भारतीय खाद्य निगम खाद्यान्न की खरीद एवं उसके वितरण के लिए सबसे प्रमुख (नोडल) सरकार एजेंसी है। खाद्य निगम द्वारा किसानों से विशाल मात्रा में धान एवं गेहूं खरीदा जाता है। केन्द्रीय खाद्य मंत्री के अनुसार राइस मिलर्स घरेलू खाद्य सुरक्षा तंत्र का एक महत्वपूर्ण एवं विभिन्न अंग है और सरकार उसकी भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। इस मोबाइल एप से उसकी समस्याओं एवं शिकायतों का निपटारा करने में सहायता मिलेगी। यह मोबाइल एप एंड्रॉयड यूजर्स के लिए गूगल प्ले स्टोर पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है। खाद्य मंत्री का कहना था कि सरकार किसानों के कल्याण एवं उत्कर्ष के लिए भी काम कर रही है और यह भी सुनिश्चित कर रही है कि आम उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर पर्याप्त मात्रा में खाद्य उपलब्ध हो सके। डिजीटल इंडिया इनिशिएटिव के साथ सम्बद्धता के क्रम में इस मोबाइल अप्लीकेशन का उद्देश्य चावल मिलर्स के उत्तर दायित्व एवं जिम्मेवारी को सुधारना है। इसके लिए उसे एक सुविधाजनक मंच या आधार उपलब्ध करवाना आवश्यक था जहां वह अपनी शिकायत दर्ज करवा सके, अपनी स्थिति की निगरानी कर सके और डिजीटल तरीके से अपने मोबाइल उपकरण पर रिस्पांस भी हासिल कर सके। यह व्यक्तिगत रिस्पांस होगा जिसे कोई अन्य लोग नहीं देख-सुन सकेगा। इस एप पर मिलर्स आसानी से अपनी शिकायत-समस्या दर्ज कर सकते हैं और उन्हें उसका सही जवाब भी दिया जाएगा।

भारत, पाकिस्तान एवं म्यांमार में नए माल की आवक होने से चावल के दाम में गिरावट

हैदराबाद। भारत सरकार द्वारा सामान्य श्रेणी के चावल के निर्यात को नियंत्रण मुक्त तथा शुल्क मुक्त किए जाने के बाद वैश्विक बाजार में इस महत्वपूर्ण खाद्यान्न की कीमतों पर दबाव बढ़ने लगा है। इसके अलावा भारत , पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में नए चावल की आवक शुरू होने से वैश्विक बाजार में इसकी आपूर्ति एवं उपलब्धता बढ़ती जा रही है जिससे कीमतों में नरमी का माहौल आगे भी बरकरार रहने की संभावना है। पिछले एक पखवाड़े के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चावल का भाव 10 प्रतिशत नीचे आया है। एक अग्रणी निर्यातक के अनुसार डॉलर की मजबूती से आयातकों को चावल की खरीद करने में आसानी हो रही है और निर्यातकों को अपने उत्पाद का दाम स्थिर रखने में सहायता मिल रही है। भारत से चावल का निर्यात पूरी तरह खुल गया है। विदेशी आयातकों के लिए यह एक वरदान जैसा है जो पहले ऊंचे बाजार भाव से काफी चिंतित और परेशान थे। पिछले साल थाईलैंड के 5 प्रतिशत टूटे सफेद चावल का निर्यात ऑफर मूल्य घटकर 507 डॉलर प्रति टन पर आ गया जो 16 अक्टूबर को 529 डॉलर प्रति टन चल रहा था। हालांकि वियतनामी चावल का ऑफर मूल्य 537-541 डॉलर प्रति टन के पिछले स्तर पर ही बरकरार रहा लेकिन शीघ्र ही इसमें कटौती होने की संभावना है अन्यथा यह चावल विदेशी खरीदारों के लिए आकर्षक नहीं रहेगा। पाकिस्तान के चावल का ऑफर मूल्य भी एक पखवाड़ा पूर्व के 481-485 डॉलर प्रति टन से घटकर 463-467 डॉलर प्रति टन पर आया और इसी तरह भारत के 5 प्रतिशत टूटे सफेद चावल का निर्यात ऑफर मूल्य समान अवधि में 488-492 डॉलर से गिरकर 444-448 डॉलर प्रति टन रह गया। इस तरह भारतीय चावल सबसे सस्ते दाम पर उपलब्ध है। जहां तक 25 प्रतिशत टूट के अंश वाले चावल का सवाल है तो भारत का ऑफर मूल्य 434-438 डॉलर प्रति टन पर आ गया है जो मध्य अक्टूबर में 491-495 डॉलर प्रति टन पर था। इसी तरह पाकिस्तानी चावल का भाव 440-444 डॉलर से घटकर 424-428 डॉलर प्रति टन रह गया है जो भारतीय चावल से भी सस्ता है। इस चावल का निर्यात ऑफर मूल्य थाईलैंड में 508 डॉलर प्रति टन से घटकर 491 डॉलर प्रति टन तथा वियतनाम में 509-513 डॉलर से गिरकर 497-502 डॉलर प्रति टन पर आ गया है। निकट भविष्य में इससे तेजी की संभावना बहुत कम है।

पंजाब के गोदामों से 40 लाख टन चावल की निकासी का प्रयास

लुधियाना। केन्द्रीय पूल में खाद्यान्न का सर्वाधिक योगदान देने वाले राज्य- पंजाब के गोदामों में चावल एवं गेहूं का विशाल भंडार मौजूद है और यदि इसे जल्दी से जल्दी वहां से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर नहीं पहुंचाया गया तो वर्तमान खरीफ मार्केटिंग सीजन में खरीदे जा रहे धान की मिलिंग से निर्मित चावल के भंडारण में भारी कठिनाई हो सकती है। एक अग्रणी विश्लेषक के मुताबिक यद्यपि सरकार वहां स्टॉक घटाने का प्रयास कर रही है मगर अगले कुछ सप्ताहों में रेलवे रैकों के माध्यम से करीब 40 लाख टन चावल को देश के दूसरे राज्यों में भेजना आसान काम नहीं है। केन्द्र सरकार ने वर्तमान खरीफ मार्केटिंग सीजन के दौरान पंजाब में 124 लाख टन चावल (185 लाख टन धान) की खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है मगर सीमित भंडार सुविधा को देखते हुए वहां धान की खरीद की गति धीमी कर दी गई है। गोदामों में अगली फसल के भंडारण के लिए जगह पहले ही खाली हो जाती थी मगर भारतीय खाद्य निगम एवं केन्द्रीय खाद्य मंत्रालय ने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया। हालांकि सरकार ने सभी किस्मों एवं श्रेणियों के साबुत चावल का आयात पूरी तरह खोल दिया है और इस पर कोई शुल्क भी लागू नहीं है लेकिन इससे सरकारी खरीद पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सामान्य श्रेणी के लिए 2300 रुपए प्रति क्विंटल तथा 'ए' ग्रेड के लिए 2320 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है और सरकारी खरीद इसी मूल्य स्तर पर हो रही है।

बासमती एवं सामान्य चावल के निर्यात में भारी उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि पिछले साल के मुकाबले चालू वित्त वर्ष के शुरूआती छह महीने में भारत से बासमती चावल के निर्यात में तो शानदार बढ़ोत्तरी हुई मगर गैर बासमती (सामान्य) चावल के शिपमेंट में जोरदार गिरावट आ गई। इसका प्रमुख कारण सफेद (कच्चे) चावल के व्यापारिक निर्यात पर प्रतिबंध लगा होना था। एपीडा के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितम्बर 2023 में देश से 23.08 लाख टन बासमती चावल का निर्यात हुआ था जो वर्ष 2024 में इन्हीं महीनों 4 लाख टन से ज्यादा बढ़कर 27.20 लाख टन पर पहुंच गया। इसके फलस्वरूप बासमती चावल की निर्यात आय भी समीक्षाधीन अवधि में 2.59 अरब डॉलर से 10.80 प्रतिशत बढ़कर 2.87 अरब डॉलर पर पहुंची। निर्यातकों के मुताबिक निर्यात ऑफर मूल्य में कमी आने के कारण बासमती चावल की निर्यात आय में सीमित बढ़ोत्तरी हुई। जहां तक गैर बासमती या सामान्य चावल की बात है तो इसकी निर्यात मांग एवं आमदनी में जोरदार गिरावट दर्ज की गई। पिछले साल अप्रैल-सितम्बर में भारत से 68.81 लाख टन सामान्य (मोटे) चावल का निर्यात हुआ था जो चालू वर्ष की सामान अवधि में लुढ़ककर 46.52 लाख टन पर सिमट गया। लेकिन औसत इकाई ऑफर मूल्य ऊंचा रहने से निर्यात आय में इसके अनुरूप जबरदस्त गिरावट नहीं आई। फिर भी सामान्य चावल की निर्यात आय पिछले साल के 270.70 करोड़ से 16.84 प्रतिशत घटकर चालू वर्ष में 225.10 करोड़ डॉलर रह गई। अब सरकार ने सफेद चावल का निर्यात पूरी तरह खोल दिया है और सेला चावल पर लगे निर्यात शुल्क को भी हटा दिया है। इतना ही नहीं बल्कि बासमती चावल के लिए नियत 950 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (मेप) को भी वापस के लिए है। इसके फलस्वरूप अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 की दूसरी छमाही के दौरान भारतीय चावल के निर्यात में शानदार बढ़ोत्तरी होने के आसार हैं। अंतर्राष्ट्रीय निर्यात बाजार में भारतीय चावल प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध है।

डि ऑयल्ड राइस ब्रान के निर्यात पर लगी रोक को यथाशीघ्र हटाने का आग्रह

मुम्बई। स्वदेशी वनस्पति तेल उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र के एक अग्रणी संगठन- सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सी) ने केन्द्र सरकार से डि ऑयल्ड राइस ब्रान (डीओ आरबी के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को जल्दी से जल्दी हटाने का आग्रह किया है। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री , खाद्य उपभोक्ता मामले एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री तथा मत्स्य , पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री को भेजे पत्र में एसोसिएशन ने कहा है कि घरेलू प्रभाग में धान-चावल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और खरीफ कालीन धान की जोरदार आवक होने लगी है। इससे राइस ब्रान तथा इसके एक्सट्रैक्शन की आपूर्ति एवं उपलब्धता निरंतर बढ़ने की संभावना है। लेकिन डी ओ आर बी के निर्यात पर लागू प्रतिबंध से मिलर्स एवं निर्यातकों को भारी कठिनाई हो रही है इसलिए इसे तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाना चाहिए। 28 जुलाई 2023 से ही डि ऑयल्ड राइस ब्रान के निर्यात पर पाबंदी लगी हुई है। इसकी समय सीमा लगातार बढ़ाई गई और अब यह 31 जनवरी 2025 तक के लिए बढ़ा दी गई है। सरकार के इस निर्णय से विभिन्न क्षेत्रों पर गहरा प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। एसोसिएशन के अनुसार देश में ऑयल मील का उत्पादन घरेलू उपयोग से ज्यादा होता है। डी ओ आर बी का निर्यात इसके कुल उत्पादन के 10 प्रतिशत से भी कम भाग का होता था मगर सरकार ने इस पर भी प्रतिबंध लगा दिया। अब आपूर्ति एवं उपलब्धता की बेहतर स्थिति एवं कमजोर बाजार भाव को देखते हुए हटाए जाने की सख्त जरूरत है।

बांग्ला देश के चावल आयात टेंडर में भारत का ऑफर मूल्य सबसे आकर्षक

ढाका। बांग्ला देश की सरकारी अनाज खरीद एजेंसी जारी 50 हजार टन चावल के आयात टेंडर में भारतीय चावल के लिए ऑफर मूल्य सबसे कम या आकर्षक रहा और इसलिए भारत को यह टेंडर हासिल होने की पूरी उम्मीद है। 5 नवम्बर 2024 तक इस टेंडर के तहत बिड या ऑफर जमा होना था। इसमें भारतीय मूल के चावल का ऑफर मूल्य 477 डॉलर प्रति टन आंका गया जिसमें परिवहन (शिपमेंट) खर्च भी शामिल है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सभी ऑफर्स पर अभी विचार किया जा रहा है और फिलहाल चावल की कोई खरीद नहीं की गई है। समझा जाता है कि सबसे निचले स्तर का ऑफर मूल्य एक अग्रणी भारतीय कम्पनी का है। इस टेंडर के तहत सीआईएफ लाइनर आउट टर्म में गैर बासमती सेला चावल के लिए ऑफर मूल्य आमंत्रित किया गया था। इसमें बंदरगाह पर जहाज से माल को उतारने का खर्च भी शामिल था। बांग्ला देश के चटगांव तथा मोंगला बंदरगाहों पर इस चावल का शिपमेंट होना है। इस 50 हजार टन चावल आयात के टेंडर में कई अन्य कंपनियों ने भाग लिया था जिसका ऑफर मूल्य 477.77 डॉलर से लेकर 499.77 डॉलर प्रति टन के बीच रहा। इसमें भारत के अलावा थाईलैंड वियतनाम एवं म्यांमार मूल के चावल का ऑफर दिया गया। उल्लेखनीय है कि इस बार आंधी-तूफान, अत्यन्त मूसलाधार बारिश तथा भयंकर बाढ़ आदि के प्रकोप से बांग्ला देश में लगभग 11 लाख टन चावल के समतुल्य धान की फसल बर्बाद हो गई। इससे वहां चावल की आपूर्ति एवं उपलब्धता में कमी आने की आशंका है जबकि कीमत तेज होने लगी है। इसे देखते हुए बांग्ला देश की सरकार ने अपने स्तर से 5 लाख टन चावल मंगाने का निर्णय लिया है और साथ ही साथ प्राइवेट व्यापरियों को चावल का आयात करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आयात शुल्क में भारी कटौती भी कर दी है। चूंकि भारतीय सेला चावल अब ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो गया है क्योंकि सरकार ने इसे शुल्क मुक्त कर दिया है इसलिए बांग्ला देश में इसका शानदार निर्यात होने की उम्मीद की जा रही है।

बाजार भविष्य

★ खरीफ 2024-25 पहला उत्पादन अनुमान। चालू सीजन में मौसम ने दिया फसलों का पूरा साथ। मोटे अनाज को छोड़ अन्य सभी फसलों की बिजाई में बढ़ोत्तरी। अच्छा पानी पड़ने से किसानों ने मोटे अनाज (जिनमें कम पानी की जरुरत होती है) को प्राथमिकता नहीं दी।

★ धान, मक्का, दलहन (उड़द को छोड़) और सोया के उत्पादन अधिक होने का दिया अनुमान।

★ धान उत्पादन गत वर्ष से 65.75 लाख टन उछलकर 1200 लाख टन, मक्का का 23 लाख टन बढ़कर 245 लाख टन, ज्वार का 6.85 लाख टन सुधरकर 22 लाख टन का दिया अनुमान मंडियों में सोया, मूंगफली की जोरदार आवक। धान, मक्का, बाजरा, रागी की आवक गत वर्ष के बराबर।

★ ज्वार की आवक भी अच्छी। सूरजमुखी, मूंग, उड़द की आवक कमजोर। जल्द ही जारी होंगे पहले उत्पादन अनुमान के आकड़े।

★ तेलंगाना सरकार ने 2024-25 खरीफ सीजन के धान खरीद पालिसी नियमों में किया बदलाव। पहले मिलिंग पर 10 रुपए प्रति क्विंटल दिया जाता था जिसे केटेगरी अनुसार बदल कर मोटी वेरायटी मिलिंग के लिए 20 रुपए प्रति क्विंटल व फाइन वेरायटी के लिए 40 रुपए प्रति क्विंटल दिए जाने का दिया सुझाव। राज्य को राशन कार्ड के तहत 2025 कैलेंडर इयर में 24 लाख टन फाइन वेरायटी धान की होगी जरुरत, यह खरीद MSP ए ग्रेड 2320 व कॉमन वेरायटी 2300 रुपए प्रति क्विंटल पर की जानी है। मध्य अक्टूबर 15-31 तक चावल की खरीद में अच्छी बढ़ोत्तरी। पहले 15 अक्टूबर तक 20.7 लाख टन की गयी थी खरीद गत वर्ष से 48% कम परन्तु उसके बाद 63 लाख टन चावल खरीद की गयी। जो अक्टूबर 2023 की इसी अवधि के दौरान 105.51 लाख टन थी यानी खरीद गत वर्ष से 20% पिछड़ी। पंजाब से धान खरीद 48.91 लाख टन की गयी जो गत वर्ष इसी अवधि के दौरान 65.11 लाख टन थी।

★ हरियाणा में 31 अक्टूबर तक 31.06 लाख टन खरीद की गयी, गत वर्ष के 35.36 लाख टन से 12% कम।

★ तमिलनाडु में खरीद गत वर्ष से 5.68 लाख टन घटकर 2.89 लाख टन की गयी। उत्तर प्रदेश में 3890 टन हो पायी खरीद जो गत वर्ष 42,447 टन थी। चालू सीजन में कुल चावल खरीद लक्ष्य 485 लाख टन रखा गया जो 2023-24 के दौरान 521.27 लाख टन। खरीफ व रबी 2023 में 525.37 लाख टन खरीद की गयी। देखा जाए तो सभी राज्यों में धान/चावल की सरकारी खरीद कमजोर। चावल के अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भाव टूटे। पाकिस्तान व म्यांमार में नई फसल आने से विश्व में उपलब्धता व प्रतिस्पर्धा बढ़ी। बीते रविवार को थाईलैंड 5% ब्रोकन राइस के भाव 560$/टन दर्ज किये गये, जो 16 अक्टूबर को 529$/टन थे। वियतनाम में भाव 537-541$/टन, पाकिस्तान में 463-467 (गत सप्ताह 481-485) $/टन दर्ज किये गये।

★ भारतीय चावल के भाव जो गत सप्ताह 444-448$/टन थे 15 दिन पहले के भाव 488-492$/टन से घटे।

★ भारतीय 25% ब्रोकन राइस के भाव 491-438$/टन आये। थाईलैंड में 451$/टन भाव दर्ज किये गये जो गत सप्ताह 508$/टन थे, वियतनाम में भाव 497-509 (गत सप्ताह 509-513) $/टन दर्ज किये गये। थाईलैंड 100% पारबॉयल्ड चावल के भाव 522 (15 दिन पहले 561) $/टन, पाकिस्तान के 493-497 (गत सप्ताह 550/507), भारत के 493-543 (गत सप्ताह 490-494) $/टन दर्ज किये गये।

★ पाकिस्तान के एग्रीकल्चर कमोडिटी एसोसिशन के अनुसार वियतनाम को 495$/टन पर वाइट चावल का हुआ था निर्यात जो गत वर्ष 475$/टन आ चूका है।

Department of Consumer Affairs (Price Monitoring Division)
All India Daily Average Prices Of Cereals & Sugar

Daily Prices	Items	(Latest)	1 Month Ago	1 Year Ago	% Variation over	
		06/11/2024	06/10/2024	06/11/2023	1 Month	1 Year
All-India Retail Price (in □ /kg)	Rice	**43.55**	43.1	42.83	1.04	1.68
	Wheat	**31.71**	31.29	30.62	1.34	3.56
	Atta (Wheat)	**36.76**	36.51	35.93	0.68	2.31
	Sugar	**45.04**	44.59	44.45	1.01	1.33
All-India Consumer Wholesale Price (in □ /qtl)	Rice	**3909.73**	3846.27	3778.92	1.65	3.46
	Wheat	**2874.47**	2837.45	2728.2	1.30	5.36
	Atta (Wheat)	**3289.86**	3267.06	3162.14	0.70	4.04
	Sugar	**4177.3**	4146.02	4120.89	0.75	1.37

Prices in 4 Metros and Ranchi

Daily Retail Prices (□ /kg) in 4 Metros and Ranchi										
Cereals & Sugar	Delhi		Mumbai		Kolkata		Chennai		Ranchi	
	06/11/2024 (Latest)	06/11/2023 (1 Year Back)	06/11/2024 (Latest)	06/11/2023 (1 Year Back)	06/11/2024 (Latest)	06/11/2023 (1 Year Back)	06/11/2024 (Latest)	06/11/2023 (1 Year Back)	06/11/2024 (Latest)	06/11/2023 (1 Year Back)
Rice	**40**	39	**45**	40	**49**	48	**58**	63	**43**	43
Wheat	**30**	30	**44**	48	**NR**	NR	**44**	46	**37**	36
Atta (Wheat)	**34**	33	**48**	52	**41**	35	**43**	45	**38**	35
Sugar	**45**	45	**48**	47	**47**	47	**44**	43	**45**	48

STATEWISE PADDY PROCUREMENT DATA
AS ON 06.11.2024

STATE/UT	QUANTITY (IN TONNES)
ANDHRA PRADESH	14,423.96
BIHAR	1,452.87
HARYANA	47,10,363.04
HIMACHAL PRADESH	21,070.60
JAMMU KASHMIR	14,437.04
KERALA	4,104.41
MAHARASHTRA	72,560.77
PUNJAB	1,06,03,042.60
TAMILNADU	4,56,511.70
TELANGANA	4,058.64
UTTARAKHAND	99,919.06
UTTAR PRADESH	99,959.12
ALL INDIA	1,61,01,903.81

SOURCE: Central Food Grains Procurement Portal

STATEWISE OMSS RICE SALE TENDER PROPOSED QUANTITY (IN MT)

DATE/TIME	06.11.2024/11:00-02:00	
STATE	QUANTITY (MT)	RESERVE PRICE (RS/QTL)
A.P	100	3,374
ARU.P	500	3,135-3,223
DLH	10,000	2,873-2,874
JHK	5,000	2,947-3,073
KAR	25,000	2,860-3,154
MAH	500	3,123
NGLND	500	3,077
MIZRM	3,000	3,123-3,322
PNDCHRY	20	2,950-3,068
RAJ	1,000	2,947-3,000
TOTAL	45,620	

STOCKS IN CENTRAL POOL (IN LAKH TONS) TENTATIVE

IGRAIN INDIA, DELHI 9350141815

	A	B	C	D	DIFFERENCE			STOCKING NORMS	STOCK COMPARISION WITH BUFFER NORM
MONTH	01/10/24	01/09/24	01/10/23	01/10/22	A-B	A-C	A-D	OCT	
RICE	310.59	323.11	221.87	204.67	(12.52)	88.72	105.92	102.5	208.09
WHEAT	237.83	251.46	239.95	227.46	(13.63)	(2.12)	10.37	205.2	32.63
TOTAL	548.42	574.57	461.82	432.13	(26.15)	86.60	116.29		
UNMILLED PADDY	113.79	148.22	160.77	161.6	(34.43)	(46.98)	(47.81)		
COARSE GRAINS	2.23	3.66	3.28	3.01	(1.43)	(1.05)	(0.78)		